अंदर के पेजों पर पढ़ें
2 जयशंकर का प्रस्तावित पाक दौरा, सस्पेंस पर शुभ संकेत...
6 भारत विश्व गुरु के रूप में शिक्षक परंपरा को स्थापित करना चाहता है -मुख्यमंत्री डॉ. यादव...
7 हार्दिक ने तोड़ा कोहली का विराट रिकॉर्ड कारनामा करने वाले भारतीय इतिहास में इकलौते...

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

संपादक-गोपाल गावंडे

वर्ष - 11 अंक-35 इन्दौर , प्रति मंगलवार, 08 अक्टूबर से 14 अक्टूबर 2024 पृष्ठ-8 मूल्य -2

जम्मू-कश्मीर में किसकी बनेगी सरकार? इंजीनियर राशिद ने दिया ऐसा बयान, बढ़ गई NC-कांग्रेस की बेचैनी, PDP भी परेशान

श्रीनगर. जम्मू-कश्मीर में किसकी सरकार बनेगी? इसका फैसला मंगलवार को मतगणना के बाद हो जाएगा, लेकिन उससे पहले शनिवार को हुए एग्जिट पोल ने काफी कुछ बयां कर दिया है. जम्मू-कश्मीर में सरकार बनाने के लिए बहुमत का आंकड़ा 46 सीटें है. सर्वे में कांग्रेस की अगुवाई में इंडी गठबंधन 35 से 40 सीटों के साथ बढ़त बनाते दिख रहा है, जबकि भाजपा को 20-25 सीटें और पीडीपी को 4-7 सीटें मिलने का अनुमान है. इस तरह से देखा जाए, तो किसी के पास भी सरकार बनाने के लिए पर्याप्त बहुमत नहीं है और ऐसे में उन्हें अन्य पार्टियों की तरफ देखना होगा।

इस बीच, लोकसभा सदस्य और अवामी इतिहाद पार्टी (एआईपी) के अध्यक्ष इंजीनियर राशिद ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर के मुख्यधारा के सभी क्षेत्रीय राजनीतिक दलों से अपील की है कि वे तब तक सरकार गठन का दावा न करें जब तक राज्य का दर्जा बहाल नहीं हो जाता. इंजीनियर राशिद के इस बयान से कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस (इंडी गठबंधन) को निश्चित ही झटका लगा होगा, जो सरकार बनाने की दौड़ में सबसे आगे है. ऐसे में बीजेपी और पीडीपी के लिए भी राह आसान नहीं होने वाली।

इंजीनियर राशिद यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 8 सितंबर की मतगणना के बाद चाहे किसी भी राजनीतिक दल या राजनीतिक दलों के समूह को बहुमत मिले, मैं नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी), पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी), पीपुल्स कॉन्फ्रेंस (पीसी) और जम्मू-कश्मीर अपनी पार्टी समेत सभी मुख्यधारा के राजनीतिक दलों से अपील करूंगा कि वे दलगत राजनीति से ऊपर उठें और उन लोगों के व्यापक हित में एकजुट हों जिन्होंने उन्हें वोट दिया है।

राशिद ने कहा, उमर अब्दुल्ला ने खुद कहा है कि केंद्र शासित प्रदेश में निर्वाचित सरकार के पास नगर निगम से भी कम शक्तियां होंगी. मैं अपनी पार्टी का पूरा समर्थन उन्हें देता हूं, बशर्ते वे एकजुट हों और जम्मू-कश्मीर में तब तक सरकार न बनाने का फैसला करें, जब तक कि राज्य का दर्जा बहाल न हो जाए. जब जम्मू और घाटी दोनों के निर्वाचित प्रतिनिधि दिल्ली पर राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए दबाव डालेंगे, तो उनके पास कोई और विकल्प नहीं होगा. मोदी जी ने पहले ही लक्ष्य बदल दिया है और अब हमारी बारी है कि हम एकजुट होकर यह सुनिश्चित करें कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल किया जाए।

उन्होंने कहा कि पीएजीडी के गठन के बाद क्षेत्रीय राजनीतिक दल कुछ नहीं कर पाए और अब यह सुनिश्चित करने का समय है कि उन्हें चुनने वाले लोगों के साथ विश्वासघात न हो. सांसद ने कहा कि

अखिल भारतीय पार्टी होने के नाते कांग्रेस की अपनी मजबूरियां हैं. उन्होंने कहा, उन्होंने यहां से वोट लिए, लेकिन अनुच्छेद 370 पर चुप रहे।

उन्होंने कहा, मुझे पहली बार दिल्ली में कश्मीर हाउस जाने का मौका मिला. मुझे यह जानकर आश्चर्य हुआ कि राज्य के दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजन के बाद, कश्मीर हाउस की मुख्य इमारत लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश को दे दी गई है. लद्दाख के लोग हमारे भाई हैं, लेकिन जम्मू-कश्मीर की आबादी करीब दो करोड़ है, जबकि लद्दाख की दो से तीन लाख है. कश्मीर हाउस की मुख्य इमारत लद्दाख को देने का यह फैसला कैसे उचित ठहराया जा सकता है।

हरियाणा में किसे कितना वोट शेयर?

हरियाणा विधानसभा चुनाव 2024 के एग्जिट पोल के जो नतीजे आए हैं, उनमें साफ तौर पर कांग्रेस की सरकार बनती दिख रही है।

हरियाणा विधानसभा चुनाव 2024 के नतीजे कल यानि मंगलवार (08 अक्टूबर) को आएंगे, जिसका बेसब्री से इंतजार हो रहा है. 5 अक्टूबर को राज्य की जनता ने उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में कैद कर दी थी. एग्जिट पोल के नतीजों में कांग्रेस 10 साल बाद वापसी करती हुई दिखाई गई जबकि बीजेपी के लिए तीसरी बार सत्ता में वापसी करना मुश्किल बताया गया। वहीं अगर बात करें हरियाणा में किस पार्टी को कितने प्रतिशत वोट मिले तो सीएसडीएस लोकनीति के सर्वे के मुताबिक, कांग्रेस को इस बार 42 प्रतिशत वोट मिलता दिख रहा है. जबकि बीजेपी को 37 प्रतिशत वोट शेयर मिल सकता है. इसके अलावा अन्य को 14 प्रतिशत वोट मिलने का अनुमान लगाया है और बीएसपी को 4 प्रतिशत, जेजपी को 1 प्रतिशत, आम आदमी पार्टी को 2 प्रतिशत वोट मिल सकता है।

क्या बोले सर्वे कराने वाले संजय कुमार?

यूट्यूब चैनल न्यूज तक से बात करते हुए संजय कुमार ने कहा,कांग्रेस और बीजेपी के वोट पर्सेंटेज में 5 से 6 प्रतिशत का गैप है और कांग्रेस निश्चित रूप से आगे दिखाई पड़ रही है. अगर ये गैप बना रहता है तो दोनों पार्टियों की सीटों के बीच दोगुनी से ज्यादा सीटों का अंतर दिखाई पड़ता है. इस वक्त सिर्फ यही कहा जा सकता है कि इस वोट शेयर के साथ कांग्रेस को बहुत आसानी से जीत मिल सकती है।

हरियाणा से दुष्यंत चौटाला और अभय चौटाला साफ?

वहीं, दुष्यंत चौटाला और अभय चौटाला की पार्टी इस बार कोई कमाल नहीं दिखा पा रही. संजय कुमार ने कहा, इस बार निर्दलीय उम्मीदवारों ने अच्छा चुनाव लड़ा है और इनमें से कई जीत भी सकते हैं. दरअसल सीडीएस-लोकनीति के सर्वे में जेजेपी को एक प्रतिशत वोट शेयर दिया गया है. वहीं आईएनएलडी का इस सर्वे में नाम भी नहीं लिया गया.इसको लेकर संजय कुमार ने इशारो-इशारों में कहा कि जो वोट शेयर इन पार्टियों का घटा है वो कांग्रेस के पक्ष में जा सकता है. बीजेपी को इसका फायदा नहीं होता दिख रहा है.

लैंड फॉर जॉब मामले में लालू प्रसाद सहित अन्य को मिली जमानत, -1 लाख के मुचलके पर मिली बेल

लैंड फॉर जॉब मामले में आज लालू परिवार की दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट में पेशी हुई. कोर्ट ने लालू यादव समेत 9 लोगों को जमानत दे दी है. बता दें कि 1-1 लाख के निजी मुचलके पर सभी को बेल मिली है. लैंड फॉर जॉब मामले में आज लालू परिवार की दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट में पेशी हुई. कोर्ट ने लालू यादव समेत 9 लोगों को जमानत दे दी है. बता दें कि 1-1 लाख के निजी मुचलके पर सभी को बेल मिली है।

सुनवाई के लिए कोर्ट में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, तेजप्रताप और मीसा भारती पहुंचे थे. पहली बार इस मामले में कोर्ट की तरफ से लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेजप्रताप यादव को समन किया गया था. कोर्ट में पेशी के लिए लालू प्रसाद यादव अपनी बेटी मीसा भारती और रोहिणी के साथ रविवार को दिल्ली के लिए रवाना हो गए थे. बता दें कि तेजप्रताप पहले से ही दिल्ली में मौजूद थे. तेजस्वी यादव दुबई थे तो रविवार देर रात वे दिल्ली पहुंचे.

लालू ने दिल्ली रवाना होने से पहले मीडिया से कहा- मोदी की हार तय

दिल्ली रवाना होने से पहले पटना एयरपोर्ट पर लालू प्रसाद ने कहा था कि जम्मू-कश्मीर और हरियाणा चुनाव में नरेंद्र मोदी और भाजपा की हार तय है. वहीं, सांसद मीसा भारती ने कहा कि हरियाणा और जम्मू कश्मीर में इंडिया गठबंधन की सरकार बनाने जा रही है.

इकोनॉमिक और मेरिटाइम सुरक्षा की पार्टनरशिप के ट्रैक पर आगे बढ़े भारत और मालदीव

भारत और मालदीव ने आर्थिक और मेरीटाइम सुरक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण समझौते किए। करेंसी स्वैप एग्रीमेंट, फ्री ट्रेड एग्रीमेंट की चर्चा, और कई अन्य क्षेत्रों में सहयोग पर सहमति बनी। दोनों देशों के नेताओं ने मिलकर द्विपक्षीय संबंध मजबूत करने का संकल्प लिया और कई परियोजनाओं पर चर्चा हुई।

नई दिल्ली- रिश्तों में एक साल पहले आई असहजता से उबर कर भारत और मालदीव दोनों कॉप्रिहेन्सिव आर्थिक और मेरीटाइम सेक्योरिटी साझेदारी की राह पर चल निकले हैं। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच साल 2023 में आए उतार चढ़ाव से परे एक लंबे समय तक चलने वाली साझेदारी के संकेत दिए गए। दूसरे करारों के साथ ही करेंसी स्वैप एग्रीमेंट एक ऐसा ही करार रहा जिसे खुद राष्ट्रपति मुइज्जू ने सराहा। रविवार को भारत आए मुइज्जू के साथ पीएम नरेंद्र मोदी ने प्रतिनिधिमंडल स्तर के अलावा अलग से भी द्विपक्षीय बातचीत की।

संपादकीय

जयशंकर का प्रस्तावित पाक दौरा, SCO पर शुभ संकेत

SCO की बैठक में भाग लेने के लिए भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर के पाकिस्तान जाने से दोनों देशों के रिश्तों में सुधार की अटकलें लगाई जा रही हैं। हालाँकि, जयशंकर ने स्पष्ट किया कि वह द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा नहीं करेंगे। इस बैठक का महत्व भारत के अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक मंच पर भूमिका को भी इंगित करता है।

भारत की ओर से जैसे ही यह स्पष्ट किया गया कि शांघाई सहयोग संगठन (SCO) की शिखर बैठक में शामिल होने के लिए विदेश मंत्री जयशंकर पाकिस्तान जाएंगे, दोनों देशों के रिश्तों में सुधार की अटकलें लगाई जाने लगीं।

दिलचस्प है कि इस फैसले को भारत-पाक रिश्तों के संदर्भ में ज्यादा देखा जा रहा है, जबकि यह स्थ्ह को भारत द्वारा दी जा रही अहमियत का भी उतना ही संकेत है।

भावनात्मक करीबी

इसके पीछे दोनों पड़ोसी देशों के खट्टे-मीठे रिश्तों के बीच भी एक-दूसरे से भावनात्मक करीबी की भूमिका देखी जा सकती है। दोनों देशों में युद्ध हुए हैं और रिश्तों ने गिरावट की इंतिहा देखी है तो दोनों के बीच दोस्ती के दौर भी आते रहे हैं। लेकिन किसी भी सूरत में दोनों देशों के लोग एक-दूसरे से उदासीनता की स्थिति में नहीं पहुंचे। यही वजह है कि करीब एक दशक के अंतराल के बाद जब किसी भारतीय विदेश मंत्री के पाकिस्तान जाने का कार्यक्रम बनता दिखा तो कई कोनों से उत्साह छलकने लगा।

द्विपक्षीय रिश्तों पर बात नहीं

मौजूदा सूरते हाल में इस तरह के उत्साह को व्यावहारिक नहीं कहा जा सकता। शायद इसीलिए विदेश मंत्री जयशंकर ने देर किए बगैर स्पष्ट किया कि वह एक बहुपक्षीय संगठन की बैठक में शिरकत करने जा रहे हैं और वहां भारत-पाक रिश्तों पर कोई बातचीत नहीं करने वाले। याद रखना होगा कि यह स्थ्ह की शिखर बैठक है और सामान्य स्थिति में इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शामिल होने की उम्मीद होती। द्विपक्षीय रिश्तों की बदहाली ही कहिए कि पीएम की जगह एक सीनियर मंत्री का जाना भी पॉजिटिव सिग्नल माना जा रहा है।

SCO की अहमियत

भारत इस तथ्य को समझ रहा है कि मौजूदा वैश्विक हालात में स्थ्ह जैसे एक अंतरराष्ट्रीय मंच के बेहतरीन इस्तेमाल का मौका किन्हीं दो देशों के आपसी रिश्तों की भेंट नहीं चढ़ाया जा सकता। यह एशियाई देशों का ऐसा मंच है, जो सुरक्षा से जुड़े मुद्दे देखता है। रूस-यूक्रेन युद्ध और अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध के चलते हाल के वर्षों में अमेरिका से रूस और चीन के रिश्तों में आई खटास किसी से छिपी नहीं है। ऐसे में जब पश्चिम एशिया में युद्ध के फैलने का खतरा एक नया सिरदर्द बना हुआ है, इस अंतराष्ट्रीय मंच पर अपनी अहम भूमिका को भारत अनदेखा नहीं कर सकता।

छुपा हुआ मौका

बहरहाल, कूटनीति में अलग-अलग बहानों की आड़ में आने वाले मौके भी अक्सर महत्वपूर्ण साबित होते हैं। पिछले साल पाकिस्तान के तत्कालीन विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी स्थ्ह की ही बैठक के सिलसिले में भारत आकर अपने बयानों से रिश्तों में और तल्खी घोलने का उदाहरण पेश कर चुके हैं। देखना होगा कि जयशंकर की सूझबूझ और शालीनता को खिलने और खुलने का कितना मौका इस प्रस्तावित पाकिस्तान यात्रा में मिलता है।

संपादक-
गोपाल गावंडे

राजनीति

जेपी के शिष्यों से आगे बढ़ रही बिहार की पॉलिटिक्स... लालू-नीतीश के दौर के बाद अब यूथ फेस की जंग

तीन दशकों से अधिक समय से बिहार में सत्ता के शीर्ष की धुरी जेपी के शिष्य ही रहे हैं. सूबे की सियासत अब जेपी के शिष्यों से आगे बढ़ रही है. लालू-नीतीश के दौर के बाद अब यूथ फेस की जंग है।

बिहार की सियासत दशकों से संपूर्ण क्रांति के अगुवा लोकनायक जयप्रकाश नारायण और उनके शिष्यों के इर्द-गिर्द घूमती रही है. सूबे के सत्ता संसार का 1990 से लेकर अब तक जो दो कद्दावर चेहरे केंद्रबिंदु रहे हैं, वह राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के प्रमुख लालू प्रसाद यादव और जनता दल (यूनाइटेड) अध्यक्ष नीतीश कुमार भी जेपी के ही शिष्य हैं. लालू यादव पहले ही अपनी सियासी विरासत अपने बेटे तेजस्वी यादव को सौंप चुके हैं. नीतीश कुमार की उम्र भी 74 साल होने को है. नीतीश कुमार ने 2020 के बिहार चुनाव में अंतिम चरण का प्रचार थमने से ठीक पहले यह कहा भी था, **ये मेरा आखिरी चुनाव है.** यानी सीएम नीतीश कुमार भी एक्टिव पॉलिटिक्स से संन्यास के संकेत दे चुके हैं।

ऐसे में बात अब बिहार की राजनीति के दो फ्रंट को लेकर हो रही है. पहला ये कि क्या सूबे की सियासत के विशाल वट-वृक्ष रहे जेपी के शिष्यों से आगे आगे बढ़ रही है और दूसरा ये कि जेपी के शिष्यों के बाद कौन? लालू यादव और नीतीश कुमार बिहार की राजनीति में जेपी के शिष्यों की अंतिम पौध हैं. लालू यादव चारा घोटाला केस में दोषी ठहराए जाने, सजा सुनाए जाने के बाद चुनावी राजनीति से पहले ही दूर हो चुके हैं. नीतीश कुमार की अगुवाई वाली सरकार में लंबे समय तक डिप्टी रहे बीजेपी के सुशील मोदी अब रहे नहीं. ऐसे में सीएम नीतीश कुमार ही जेपी की नर्सरी से सियासत में आए ऐसे अंतिम नेता बचे हैं जो सत्ता की ड्राइविंग सीट पर है. ऐसे में कहा जा रहा है कि बिहार की राजनीति अब जेपी के शिष्यों से आगे बढ़ चली है।

जेपी के शिष्यों से आगे की सियासत में विकल्प की होड़ भी छिड़ चुकी है. विकल्प बनने की इस होड़ में कई यूथ फेस हैं. यूथ फेस की इस जंग में लालू यादव के बेटे तेजस्वी यादव से लेकर रामविलास पासवान के पुत्र चिराग पासवान, विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के अध्यक्ष मुकेश सहनी जैसे नाम शामिल हैं. इस त्रिकोणीय लड़ाई में अब चुनाव रणनीतिकार से राजनेता बने प्रशांत किशोर उर्फ पीके की भी एंट्री हो गई है. पीके जन सुराज पार्टी के नाम से दल बनाकर चुनाव मैदान में आ गए हैं और यूथ फेस की ये जंग अब चतुष्कोणीय हो गई है. इन चारो चेहरों की एक खास बात है कि इनकी सियासी लीक कहीं न कहीं जेपी के विचारों के आसपास ही है. किसकी लीक कैसे जेपी और उनके विचारों के करीब है?

चारो चेहरे जेपी के करीब कैसे

तेजस्वी यादव: तेजस्वी यादव जिस आरजेडी की ओर से सीएम दावेदार हैं, वह पार्टी जेपी के शिष्य और उनके पिता लालू यादव ने बनाई है. आरजेडी की स्थापना के समय से ही ओबीसी और अल्पसंख्यक पार्टी का कोर वोटर रहे हैं. मुस्लिम और यादव (एमवाई) आरजेडी का कोर वोटर माना जाता है लेकिन तेजस्वी यादव की रणनीति अब आधार बढ़ाने की है. आरजेडी को ए टू जेड की पार्टी बताते हुए तेजस्वी कहते हैं कि हम एम-वाई नहीं, बाप (बहुजन, अगड़ा, आधी आबादी और गरीब) की पार्टी हैं।

चिराग पासवान: लोक जनशक्ति पार्टी (एलजेपी) के संस्थापक रामविलास पासवान के पुत्र चिराग पासवान भी जेपी के शिष्यों की छाया के बाद की राजनीति में अपने लिए अवसर तलाश रहे हैं. चिराग की पार्टी दलित पॉलिटिक्स की पिच पर मजबूत प्लेयर मानी जाती है और उनकी रणनीति बिहार प्राइड के भावनात्मक प्लॉट पर बुलंद सियासी ईमारत खड़ी करने की है. चिराग के पिता रामविलास भी बिहार के कद्दावर नेता थे लेकिन कभी सरकार का इंजन नहीं बन सके. वह लासलू यादव और नीतीश कुमार से सीनियर थे. रामविलास, जेपी के आंदोलन में शामिल भी नहीं हुए थे. हालांकि, वह आपातकाल विरोधी आंदोलन में जेल गए थे।

मुकेश सहनी: मुकेश सहनी भी पिछड़ा वर्ग की ही राजनीति करते हैं, निषाद यानी मछुआरा समाज की. उनकी राजनीति का मुख्य मुद्दा मछुआरा समाज के लिए आरक्षण की व्यवस्था है. मुकेश सहनी भी युवा चेहरे हैं, सेट डिजाइनर से सियासत में आए हैं. उनकी पार्टी बीजेपी की अगुवाई वाले एनडीए में भी रह चुकी है. 2020 के बिहार चुनाव में मुकेश सहनी की पार्टी के चार विधायक जीतकर आए थे जो बाद में बीजेपी में शामिल हो गए थे. वह लोकसभा चुनाव से ठीक पहले आरजेडी की अगुवाई वाले महागठबंधन में शामिल हो गए थे।

प्रशांत किशोर: प्रशांत किशोर जिस सियासी लीक पर बढ़ते दिख रहे हैं, वह भी कहीं न कहीं जेपी के सिद्धांतों-बातों के इर्द-गिर्द ही नजर आती है. जेपी उन नेताओं में से हैं जिन्होंने राइट टू रिकॉल की मांग को अपनी आवाज देकर बुलंद किया था. राइट टू रिकॉल की पैरवी खुद सीएम नीतीश कुमार भी कर चुके हैं लेकिन इस दिशा में कभी कुछ हुआ नहीं. अब पीके ने जन सुराज पार्टी की लॉन्चिंग से पहले ही न सिर्फ राइट टू रिकॉल की बात करते हुए यह भी बताया है कि वो इस व्यवस्था को कैसे लागू करेंगे।

युवक को तलवार मारी

इन्दौर । कमलेश पिता कृष्ण कुमार पाल 42 साल निवासी अमर टेकरी को पुरानी रंजिश के चलते गोपाल पिता सुनील कौशल ने तलवार मार दी जिसमें वह घायल हो गया।पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया।

कार के कांच फोड़े

इन्दौर । विनय पिता सतीश द्विवेदी निवासी क्लर्क कॉलोनी ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि घर के बाहर खड़ी उसकी कार के कच दे रात अज्ञात बदमाशों ने फोड़ दिए। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

टक्कर से दो घायल

इन्दौर ।सांवेर रोड पर बाइक सवार निलेश पिता राजाराम पवार और कमल पिता मदनलाल वर्मा दोनों निवासी भगत सिंह नगर को कार ने टक्कर मार दी जिसमें दोनों घायल हो गए। पुलिस ने केस दर्ज किया।

किशोर का अपहरण

इन्दौर । घनश्याम पिता किशन लाल साहू निवासी हुकुमचंद कॉलोनी में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका 14 वर्षीय बेटा विजय को अज्ञात व्यक्ति बहला फुसलाकर ले गया।पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपहरण का केस दर्ज किया।

दहेज के लिए मारपीट

इन्दौर । महिमा शर्मा 28 साल निवासी नर्मदा कॉलोनी की रिपोर्ट पर पति मनोज शर्मा सास संगीता शर्मा ससुर हेमंत शर्मा के खिलाफ केस दर्ज किया है। महिमा नहीं बताया कि उसे मायके से कार दहेज में नहीं देने पर मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी।

झगड़ा करते धराएं

इन्दौर ।बाणगंगा पुलिस ने वृंदावन कॉलोनी के पास झगड़ा करते हुए सूरज पिता केदार यादव अजय पिता पन्नालाल चौधरी शुभम पिता मुकेश वर्मा और दो अन्य को गिरफ्तार किया है। सभी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

घायल बुजुर्ग की मौत

इन्दौर ।बसंत पिता रामलाल सोलंकी 70 साल निवासी धार की उपचार के दौरान बड़े अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक बसंत चार दिन पहले घर की सीढ़िया से उतरते वक्त गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया था। पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है।

चार नशेड़ी बंदी

इन्दौर । छतरीपुरा पुलिस ने गांजा पीते हुए दिलीप पिता निरंजन पवार अशोक पिता उमाशंकर वर्मा नितिन पिता गुलाब चंद चौधरी और महेंद्र पिता सीताराम चौहान को पकड़ा। इनके पास से नशे की पुड़िया बरामद की ।सभी के खिलाफ केस दर्ज किया।

महिला से की छेड़छाड़

इन्दौर ।दिग्विजय मल्टी में रहने वाली महिला की शिकायत पर प्रकाश पिता शंकर लाल मालवीय के खिलाफ छेड़छाड़ की धारा में केस दर्ज किया। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने रास्ते में रोक कर महिला से छेड़छाड़ की थी।

गांजा सहित दो बंदी

इन्दौर ।तिलक नगर पुलिस ने चेकिंग अभियान के दौरान मोटरसाइकिल सवार अशोक पिता चंद्रकांत वर्मा और कैलाश हरीश सोनी को पकड़ा। इनके पास से 530 ग्राम गांजा बरामद किया है। दोनों के खिलाफ केस दर्ज किया।

किशोर को ब्लड मार दी

इन्दौर । देवेंद्र पिता विजय शंकर सुनहरे 16 साल निवासी एमआइजी कॉलोनी ने पुलिस को बताया कि क्षेत्र में रहने वाले विनोद यादव ने उसे ब्लेड मार दी और धमकी देकर फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया।

हथियार सहित धराएं

इन्दौर ।कनाडिया पुलिस ने अशोक पिता रमेश मकवाना से तलवार और विजय पिता कैलाश चंद्र चौहान से गुप्ती बरामद की इसी प्रकार विजयनगर पुलिस ने धर्मेंद्र जायसवाल से चाकू और शुभम सोलंकी से तलवार बरामद की है। सभी के खिलाफ केस दर्ज किया।

दोस्तो के साथ पिकनिक मनाने गए युवक की पानी में डूबने से मौत

महू । रविवार को अपने चार दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने गए एक युवक की पानी में डूबने से मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक महू के डिग्री कॉलेज के पीछे तालाब में नहाने उतरा युवक बाहर नहीं निकला। जिसकी पहचान फईम पिता आसिफ 20 वर्षीय निवासी गांगलिया खेडी के रूप में हुई। घटना की जानकारी बड़ग़ोंदा पुलिस को लगी तो मौके पर पहुंची। लिहाजा परिजन भी मौके पर पहुंचे। शव को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया। बताया जा रहा है कि मृतक फईम ने कपड़े उतार कर पानी में छलांग लगा दी। काफी देर तक पानी से बाहर नहीं निकला तो उसके साथी घबरा गए। परिजन शव को देखकर बदहवास हो गए। मृतक का पोस्टमार्टम सोमवार को शासकीय मध्य भारत अस्पताल में होगा। सूत्र बताते है कि मृतक ने अपने साथियों के साथ मिलकर पहले शराब पी और उसके बाद नशे की हालत में नहाने पानी में छलांग लगा दी। मृतक के शव को लोहे के कड़े की मदद से बाहर निकाला गया। बताया जा रहा है कि युवक की जिस स्थान पर मौत हुई है,वहां पर पानी की खोह बनी हुई है। जो बड़ी भयानक है।

हिंदू संगठन ने गरबा पंडाल में सिगरेट के प्रचार पर किया जमकर हंगामा

कर्मचारी और आयोजक को जमकर पीटा

इंदौर । शनिवार रात कनाडिया थाना क्षेत्र में हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने गरबा पांडाल में हंगामा किया। कार्यकर्ताओं ने पंडाल में सिगरेट कंपनी के द्वारा टेंट लगाकर सिगरेट का प्रचार करने और गरबा कर रहे युवक और युवतियों को फ्री में सिगरेट पिलाने पर आयोजक और कर्मचारियों की पिटाई कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार विश्व हिंदू परिषद के विभाग प्रमुख तनु शर्मा को सूचना मिली कि निपानिया स्थित होटल जॉर्डन में गरबे के पंडाल के पास में एक सिगरेट कंपनी ने अपना टेंट लगा रखा है। वह अपनी कंपनी और सिगरेट का प्रचार कर युवक और गरबा करने वाली बालिकाओं को फ्री में सिगरेट पिला रहे हैं वही गरबा करने आ रहे सभी लोगों को फ्री में सिगरेट दे रहे हैं। इस पर परिषद के सदस्यों ने आयोजक अंशुल गुप्ता को फोन पर गरबा में सिगरेट पिलाने की दुकान बंद करने को कहा जिस पर आयोजक गुप्ता ने कहा कि वह कंपनी से बात करें इसके बाद बड़ी संख्या में पहुंचे हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने हंगामा करते हुए कंपनी का प्रचार कर रहे आयोजन और उनके कर्मचारियों की पिटाई कर दी। वहीं गरबा पांडाल में से दो वर्ग विशेष युवक को पकड़कर पुलिस के हवाले किया।

प्रतिबंधित नशीली अल्फा जोलम गोली की तस्करी करने वाला पकड़ाया

इंदौर । क्राइम ब्रांच ने प्रतिबंधित नशीली अल्फा जोलम टैबलेट्स की तस्करी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर 1200 टेबलेट बरामद करने में सफलता प्राप्त की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस कमिश्नर राकेश गुप्ता के निर्देश पर शहर में अवैध रूप से मादक पदार्थ का कारोबार करने वालो के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। क्राइम ब्रांच के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त को मुखबिर से सूचना मिली थी कि गुटकेश्वर मंदिर के सामने खाली प्लाट पर युवक मादक पदार्थ की तस्करी करने के लिए खड़ा है। दंडोतिया के निर्देश पर क्राइम ब्रांच की टीम ने घेराबंदी कर अमित पिता महेंद्र गुप्ता 44 साल निवासी लाभ अपार्टमेंट गांधीनगर को गिरफ्तार कर तलाशी ली तो इसके पास से प्रतिबंधित अल्फा जोलम की 1200 गोलियां मिली है।

गुजराती स्कूल के पास की घटना

गर्लफ्रेंड से बात करने को लेकर दो नाबालिग को मारे चाकू, केस दर्ज

इंदौर 7 अक्टूबर लसूडिया थाना क्षेत्र में गर्लफ्रेंड से बात करने को लेकर हुए विवाद में दो नाबालिकों पर बदमाश होने चाकू मार दिया और धमकी देकर फरार हो गए। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना सत्य साइन चौराहा स्थित गुजराती स्कूल के गेट के पास की है। फरियादी गौरव पिताजी जितेंद्र 17 साल निवासी निपानिया ककड़ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताएं कि मेरा दोस्त आर्यन के परिक आईटी हनी उर्फ सागर गहलोत निवासी स्कीम नंबर 78 और आलोक सेन मिले और हनी ने आर्यन से कहा कि तू मेरी गर्लफ्रेंड से क्यों बात करता है इस पर आर्यन बोल में बात नहीं करता हूं इसी बात को लेकर हनी और आलोक ने गालियां देते हुए उसके साथ मारपीट की में और मेरा दोस्त साहिल बीच बचाव करने गए तो आलोक ने पेट की जेब में रखा चाकू निकाला और साहिल के गले और पैर पर मार दिया। आलोक में मुझे पर और पीठ पर चाकू मारा और दोनों जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। लसूडिया पुलिस ने दोनों के खिलाफ केस दर्ज किया। इसी प्रकार रवि पिता रामचंद्र यादव निवासी परदेसी पुरा को किसी बात के चलते धर्मेंद्र पिता शिवनारायण वर्मा ने चाकू मार दिया और धमकी देकर फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया।

विराट बनकर दोस्ती करने वाला नदीम पकड़ाया

इंस्टाग्राम पर हुई दोस्ती,घर पर मिलने आया और करने लगा छेड़छाड़

इंदौर। अक्टूबर हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने लसाडिया क्षेत्र में वर्ग विशेष के युवक को पकड़ा और उसकी जमकर धुनाई कर पुलिस के हवाले कर दिया। युवक ने अपनी पहचान छुपाकर युवती से दोस्ती की फिर उसके साथ छेड़छाड़ और अश्लील हरकत करने लगा। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ छेड़छाड़ सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 19 वर्षीय रेखा बदला हुआ नाम की रिपोर्ट पर पुलिस ने विराट उर्फ नदीम पिता सगीर खान निवासी पुणे महाराष्ट्र के खिलाफ छेड़छाड़ सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है। रेखा ने पुलिस को बताया कि वह निजी कंपनी में नौकरी करती है। नौकरी के चलते डेढ़ साल से इंदौर में रह रही है। उसका संदीप कुमार नाम का एक इंस्टाग्राम फ्रेंड है। दोनों की डेढ़ साल से जान पहचान है। संदीप ने ही आरोपी विराट से भी करीब डेढ़ साल पहले रेखा की दोस्ती करवाई थी। विराट और संदीप 10 दिन पहले इंदौर आए। उन्होंने रेखा से कहा कि घर के आस-पास ही कोई कमरा दिलवा दो। हम यहां पर रहकर लोहे के स्क्रैप का काम करेंगे।

रेखा ने इसके बाद विराट को स्कीम नंबर 78 में सुनील पाटिल के यहां किराए पर कमरा दिला दिया। रेट एग्रीमेंट के लिए जब डॉक्यूमेंट मांगे तो वह देने में आनाकानी करने लगा। रविवार दो पर वह घर पर थी तब विराट घर आया उसने अकेला देख तो छेड़छाड़ करने लगा इसके बाद उसने नाम पूछा तो उसने अपना असली नाम नदीम बताया और कहा कि तुम मेरे साथ रहो मैं तुम्हें खुश रखूंगा। इसके बाद रेखा ने चिल्लाया तो आसपास के लोग आ गए इस दौरान विराट उर्फ नदीम मौके से भाग गया। बाद में हिंदू संगठन के नेता मानसिंह परमार और अन्य लोगों को जानकारी लगी तो नदीम को उसके घर से पकड़ कर जमकर पीटा और पुलिस के हवाले किया।

सामूहिक आत्मसाक्षात्कार का प्रारंभ

कुण्डलिनी जागरण की विधि खोजने के बाद श्री माँ के समकक्ष बड़ी समस्या थी कि वें जनसाधारण को इसके बारे में किस प्रकार विश्वास दिलाएँ। वे जानती थी की जब तक वे इसका प्रयोग लोगों पर नहीं करेंगी और जब तक लोग चैतन्य लहरी का स्वयं अनुभव नही करेंगे तब तक उनकी बातों पर विश्वास कर ही नही सकते ।इस कार्य के लिए उन्हें स्वयं लोगों के पास जाना होगा। श्री माताजी ने एक व्यक्ति को कुण्डलिनी जागृति द्वारा आत्मसाक्षात्कार देकर अपना कार्य प्रारम्भ किया।

''जिस दिन से मैंने आत्मसाक्षात्कार देना प्रारम्भ किया उसी दिन से संघर्ष हो गया –''

'' सहस्रार खोलने के बाद मैंने केवल एक महिला पर आत्मसाक्षात्कार का प्रयोग करना चाहा, वह एक वृद्ध धार्मिक महिला थी, उसे शीतल चैतन्य लहरियाँ भी महसूस हुई ।इस महिला को आत्मसाक्षात्कार प्राप्त हो गया । तत्पश्चात् उसके साथ एक अन्य महिला भी जो कि आयु में बहुत छोटी थी,आने लगी इस महिला ने मुझे बताया कि उसे दौरे पड़ते हैं और वह भूत बाधित हो जाती है ।

''है परमात्मा !'' मैने सोचा ''किस प्रकार मैं इसकी जागृति करुँगी ?'' परन्तु वह भी ठीक हो गयी, शीघ्र ही उसे भी आत्मसाक्षात्कार मिल गया।

आत्मसाक्षात्कार प्राप्ति के लिए लोगों को समझाना मुझे कठिन लगा क्योंकि आत्मसाक्षात्कार को वे कल्पना मात्र मानते थे। वे समझते थे कि यह (कुण्डलिनी जागरण) बहुत दूर की बात है। ... तो केवल उन दो महिलाओं ने ही आत्मसाक्षात्कार प्राप्त किया।

इसके पश्चात् मैंने सोचा कि समुद्र तट पर चलें। तीस लोग मेरे साथ आए और वो भी अटपटे ढंग से बातचीत कर रहे थे कि किस प्रकार उन्हें आत्मसाक्षात्कार प्राप्त हो सकता है। वे तो इसके अधिकारी भी नहीं हैं... उस समूह में से भी मुझे बारह लोग ऐसे मिल गए जिन्हें आत्मसाक्षात्कार प्राप्त हुआ। उन्हें शीतल हवा का अनुभव मिला दो महिलाएँ भी इन्हीं में से थी।

इससे पता चलता है कि स्वयं को पहचानने की गति बहुत कम होती है,क्योंकि लोग यही नहीं समझते कि क्यों वे आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करें? मुझे अत्यन्त निराशा हुई क्योंकि मेरी बात कोई समझता हीं न था। फिर भी मैं लोगों को समझाती रही। ....मैं यदि इस विचार के साथ बैठी रहती कि लोग मेरे पास आकर आत्मसाक्षात्कार माँगेंगे तो में उनकी कुण्डलिनी जागृत करुँगी तब उन्हें जागृति (आत्मसाक्षात्कार) प्राप्त होगी तो यहगलत धारणा होती। यह बात मैंने महसूस कर ली थी,इस प्रकार से सामूहिक आत्मसाक्षात्कार आरम्भ कर दिया।

मैं भी हैरान थी कि इस महिला को क्या हुआ पुरुष की आवाज मैं यह बोल रही थी। पर वह लोग इस बात पर विश्वास करें,न करें पर वह भयानक भूत बाधित थी। (उसके अंदर किसी देवी भक्त पुरुष की (आत्मा)प्रवेश कर गयी थी) तब लोग मेरे पास आए और पूछने लगे कि यह महिला जो कह रही है क्या वो सत्य हैं? मैंने कहा ''आप स्वयं इसका पता लगाओ''?

....जिन लोगों को आत्मसाक्षात्कार प्राप्त हुआ वे मुझसे कहने लगे '' श्री माताजी हमें दुर्गा पूजा करने की आज्ञा दें। '' दुर्गा पूजा को बहुत कठिन पूजा माना जाता था और ब्राह्मण लोग प्राय: इस पूजा को करने के लिए तैयार न होते थे क्योंकि आत्मसाक्षात्कारी न होने के कारण दुर्गा पूजा करने वाले पंडितों को मूर्छा आदि की समस्या हो जाया करती थी। अंतत: मैं पूजा के लिए सहमत हो गई। तो वे लोग सात ब्राह्मण ले आए और उनसे कहा कि तुम्हें किसी भी प्रकार की चिन्ता करने की आवश्यकता नहीं है, तुम्हें कुछ नही होगा क्योंकि आप साकार दुर्गा(श्री माताजी) के सम्मुख बैठे हुए हो ये कोई मूर्ति नहीं है यह साकार की पूजा है।

सातों ब्राह्मण काफी घबराए हुये थे और स्थान से उठ जाना चाह रहे थे। अचानक उनके अन्दर कुछ हुआ और तब उन्होंने बड़े ही आत्मविश्वास के साथ मंत्र आदि का उच्चारण प्रारम्भ कर दिया।

(शेष अगले अंक में)

कब है दशहरा, यहां देखें सही तारीख और इसके अलग-अलग रूप

दशहरा 2024 की सही तारीख दी गई है। साथ ही पूरे भारत में बुराई पर अच्छाई की जीत का जश्न मनाने वाले विजयादशमी के विविध सांस्कृतिक उत्सवों के बारे में जानने का मौका मिलेगा। दशहरा, जिसे विजयादशमी के नाम से भी जाना जाता है, सबसे महत्त्वपूर्ण हिंदू त्योहारों में से एक है, जो बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। नवरात्रि के नौ दिवसीय त्यौहार के बाद हिंदू माह अश्विन के दसवें दिन मनाया जाने वाला दशहरा पूरे भारत में महान सांस्कृतिक, धार्मिक और आध्यात्मिक महत्त्व रखता है।

दशहरा, रावण पर भगवान राम की विजय का स्मरण करता है, जो प्राचीन महाकाव्य रामायण का एक प्रमुख प्रसंग है। यह दिन बुराई (अधर्म) पर अच्छाई (धर्म) की जीत का प्रतीक है। यह त्यौहार न केवल इस महाकाव्य विजय का सम्मान करता है, बल्कि इस सार्वभौमिक संदेश को भी पुष्ट करता है कि चाहे बुराई कितनी भी शक्तिशाली क्यों न हो, अंत में हमेशा धर्म की ही जीत होती है।

दशहरा 2024 कब है ?

दशहरा 2024 शनिवार, 12 अक्टूबर को पड़ रहा है, जो हिंदू कैलेंडर में सबसे महत्त्वपूर्ण त्योहारों में से एक है। दशहरा हिंदू माह अश्विन (सितंबर-अक्टूबर) के चंद्र पक्ष के दसवें दिन मनाया जाता है, जो नवरात्रि के नौ दिवसीय त्योहार का समापन करता है।

दशहरा का महत्त्व क्या है?

दशहरा, रावण पर भगवान राम की विजय का स्मरण करता है, जो प्राचीन महाकाव्य रामायण का एक प्रमुख प्रसंग है। लंका के शक्तिशाली राजा रावण ने भगवान राम की पत्नी सीता का अपहरण कर लिया था। उन्हें बचाने के लिए राम ने अपने भाई लक्ष्मण और हनुमान के साथ मिलकर रावण के विरुद्ध भयंकर युद्ध लड़ा। दसवें दिन, राम ने अंतत: रावण को पराजित किया, जो बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक था। यह त्यौहार न केवल राम की वीर विजय का जश्न मनाता है, बल्कि इस सार्वभौमिक सत्य का भी जश्न मनाता है कि चाहे बुराई कितनी भी विकराल क्यों न हो, धर्म की हमेशा जीत होती है।

रामायण के अलावा दशहरा देवी दुर्गा की महिषासुर नामक राक्षस पर विजय से भी जुड़ा हुआ है। यह किंवदंती विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में मनाई जाती है, जहां दुर्गा पूजा का अंतिम दिन दशहरा के साथ मेल खाता है, जिसे बिजॉय दशमी के रूप में जाना जाता है।

भारत के विभिन्न क्षेत्रों में विजयादशमी कैसे मनाई जाती है ?

12 अक्टूबर, 2024 की तारीख पूरे भारत में महत्त्वपूर्ण है, हालांकि क्षेत्र के अनुसार उत्सव अलग-अलग होते हैं-

उत्तर भारत रामलीला और रावण दहन

दिल्ली, वाराणसी और अयोध्या जैसे शहरों में रामायण का प्रसिद्ध मंचन, जिसे रामलीला के रूप में जाना जाता है, दशहरे पर रावण, मेघनाथ और कुंभकरण के बड़े पुतलों के प्रतीकात्मक दहन के साथ समाप्त होता है। यह परंपरा बुराई के अंत और सत्य की विजय का प्रतिनिधित्व करती है।

पश्चिम बंगाल दुर्गा पूजा और विजयादशमी

पश्चिम बंगाल में दशहरा, दुर्गा पूजा के अंतिम दिन विजयादशमी के साथ मनाया जाता है। दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन (दुर्गा विसर्जन) जीवंत जुलूसों के साथ किया जाता है, जो देवी के अपने स्वर्गीय निवास पर लौटने का प्रतीक है।

मैसूर दशहरा

कर्नाटक में प्रसिद्ध मैसूर दशहरा समारोह, जो शाही जुलूस और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाया जाता है, 12 अक्टूबर 2024 को संपन्न होगा। रोशनी से जगमगाता मैसूर पैलेस और समारोह की भव्यता इसे एक प्रमुख आकर्षण बनाती है।

गुजरात नवरात्रि डांडिया

गुजरात में नौ दिवसीय गरबा और डांडिया रास उत्सव का समापन दशहरे के दिन होता है, जिसमें लोग नृत्य, भक्ति और प्रार्थना के माध्यम से जश्न मनाते हैं।

महाराष्ट्र (शमी पूजा)

महाराष्ट्र में दशहरे के दिन शमी के पत्तों (सोने का प्रतीक) का आदान-प्रदान किया जाता है, जो सद्भावना और समृद्धि का प्रतीक है। शमी पूजा परंपरा महाभारत में पांडवों की जीत का सम्मान करती है।

इंडियन सिनेमा हिस्ट्री का सबसे लंबा ट्रेलर, रामायण कनैक्शन से लेकर देसी एवेंजर्स तक

रोहित शेट्टी ने सिंघम अगेन के साथ एक शानदार कॉप यूनिवर्स तैयार किया है, जो रामायण और देसी अवेंजर्स की तरह नजर आ रहा है. ये ट्रेलर फुल एंटरटेनमेंट का वादा करता है. सिंघम अगेन का ट्रेलर इंडियन सिनेमा का सबसे लंबा ट्रेलर है।

रोहित शेट्टी लाए फुल्टू पैसा वसूल देसी एवेंजर्स

सिंघम अगेन का ट्रेलर आखिरकार रिलीज हो गया है, और ये ढ्ढठ्ठस्त्रद्बड्डठ्ठ ष्द्बठ्ठद्गद्बड्ड के इतिहास का सबसे लंबा ट्रेलर है. ये लगभग 4 मिनट 58 सेकंड का ट्रेलर है, और इसमें रोहित शेट्टी का बड़ा कॉप यूनिवर्स दिखाया गया है, जो देसी अवेंजर्स की तरह नजर आ रहा है. इस ट्रेलर ने दर्शकों को एक जोरदार दीवाली धमाके का वादा किया है.

रामायण और अवेंजर्स का कॉम्बिनेशन

इस बार रोहित शेट्टी ने अपने कॉप यूनिवर्स को रामायण से जोड़ दिया है. अजय देवगन जहा राम के रूप में नजर आ रहे हैं, वहीं करीना कपूर सीता का किरदार निभा रही हैं. रणवीर सिंह को हनुमान की भूमिका में दिखाया गया है, जबकि अक्षय कुमार जटायु बने हैं, जो हेलीकॉप्टर से एंट्री करते हैं. टाइगर श्रॉफ को लक्ष्मण की तरह पेश किया गया है और दीपिका पादुकोण सुग्रीव के रूप में नजर आ रही हैं. ये सभी मिलकर रावण बने अर्जुन कपूर से लड़ाई करेंगे.

फिल्म का धमाकेदार एंटरटेनमेंट

ट्रेलर ने हर किरदार का बेहद एंटरटेनिंग अंदाज में परिचय कराया है. रणवीर सिंह और अक्षय कुमार की मस्ती और दीपिका पादुकोण की धमाकेदार एंट्री ने सबका दिल जीत लिया है. रोहित शेट्टी ने इस बात का ध्यान रखा है कि हर किरदार को बखूबी दिखाया जाए, और कहानी में कहीं भी एंटरटेनमेंट की कमी ना हो.

RRR से प्रेरणा

हालांकि, कुछ लोग इसे क्रक्रक्रके राम और भीम से प्रेरित कह सकते हैं, लेकिन प्रेरणा हमेशा नई क्रिएटिविटी को जन्म देती है. रोहित शेट्टी ने अपने अंदाज में इसे भारतीय दर्शकों के लिए परफेक्ट मसाला फिल्म बना दिया है, जिसे दर्शक काफी समय से मिस कर रहे थे.

बॉक्स ऑफिस पर बम फोड़ने की तैयारी

ट्रेलर देखकर लगता है कि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त धमाका करने वाली है. दर्शक इस देसी एवेंजर्स को देखने के लिए अब और इंतजार नहीं कर सकते, और दिवाली पर सिनेमाघरों में ये फिल्म जबरदस्त धूम मचाने वाली है.

भारत विश्व गुरु के रूप में शिक्षक परंपरा को स्थापित करना चाहता है -मुख्यमंत्री डॉ. यादव

राष्ट्र के हित में शिक्षा, शिक्षा के हित में शिक्षक और शिक्षक के हित में समाज के मार्ग पर चलने से ही शिक्षा व्यवस्था होगी बेहतर

शिक्षा, धर्म का पुनर्रागमन और मानव मन व इन्द्रियों की स्वामिनी है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शिक्षा भूषण अखिल भारतीय सम्मान समारोह को किया संबोधित

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि गुरुकुल परंपरा हमारे देश की शिक्षा का आधार रही है। शिक्षक हमेशा पूज्य थे और पूज्य रहेंगे। भारत विश्व गुरु के रूप में उस शिक्षक परंपरा को स्थापित करना चाहता है, जो गुरुकुल परंपरा चाणक्य से चंद्रगुप्त तक और चंद्रगुप्त से विक्रमादित्य तक हर जगह, हर समय, हर काल में कायम रही है। मुख्यमंत्री रविवार को रवीन्द्र भवन सभागार में शिक्षा भूषण अखिल भारतीय शिक्षक सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। समारोह का आयोजन मध्यप्रदेश शिक्षक संघ द्वारा किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा सरस्वती वंदना के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ श्री सुरेश सोनी, स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री श्री राव उदय प्रताप सिंह, राज्यसभा सदस्य स्वामी उमेश नाथ जी महाराज कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शिक्षा भूषण अखिल भारतीय शिक्षक सम्मान -2024 से डॉ. रामचंद्रन आर., प्रोफेसर के.के. अग्रवाल और प्रोफेसर कुसुमलता केडिया को सम्मानित किया।

गुरु और गुरुकुल परंपरा में गुरु का विशेष महत्व

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राष्ट्र के हित में शिक्षा, शिक्षा के हित में शिक्षक और शिक्षक के हित में समाज के उद्देश्य से आयोजित शिक्षक समारोह के आयोजन में शैक्षिक फाउंडेशन और अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि भारत की गुरु और गुरुकुल परंपरा में गुरु का बड़ा महत्व है। इतिहास में जब भी कोई प्रश्न खड़े हुए तो गुरु की भूमिका सामने आई। यदि भगवान श्रीराम और लक्ष्मण को गुरु वशिष्ठ वनवास के लिए नहीं ले जाते तो रामायण में राम का चरित्र अधूरा रहता। भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा में गुरु सांदीपनि का उज्ज्वल चरित्र शिष्यों के लिए अनुकरणीय और चुनौतियों में प्रेरणा का स्रोत रहा है।

शिक्षा न तो सत्ता की दासी है और न ही कानून की किन्करी

अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ श्री सुरेश सोनी ने कहा कि वास्तव में विकास तभी हो सकता जब हमारे आसपास के परिवेश और जीवन मूल्यों का विकास हो। उन्होंने 1928 में गुजरात विद्यापीठ में दिए गए काका कालेलकर के संबोधन को उद्धृत करते हुए कहा कि शिक्षा ने अपने स्वरूप की व्याख्या करते हुए कहा कि शिक्षा न तो सत्ता की दासी है और न ही कानून की किन्करी है, न ही यह विज्ञान की सखी है औप न ही कला की प्रतिहारी यह अर्थशास्त्र की बांदी, शिक्षा तो धर्म का पुनर्रागमन है, यह मानव के हृदय, मन और इन्द्रियों की स्वामिनी है। मानव शास्त्र और समाज शास्त्र, इनके दो चरण हैं, तर्क और निरीक्षण शिक्षा की दो आँखें हैं, विज्ञान मस्तिष्क, इतिहास कान और धर्म शिक्षा के हृदय है। श्री सोनी ने बताया कि काका कालेलकर ने अपने संबोधन में कहा था कि उत्साह और उद्यम शिक्षा के फेफड़े हैं। शिक्षा ऐसी जगत जननी जगदम्बा है, जिसका उपासक कभी किसी का मोहताज नहीं होगा, उसकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होंगी।

काका कालेलकर के चिंतन के अनुरूप देश में शिक्षा का वातावरण बनाना जरूरी

श्री सोनी ने कहा कि मूल्य परक शिक्षा-भारत केंद्रित शिक्षा, शिक्षकों के सामाजिक सम्मान और संस्कारों पर जोर देने वाली शिक्षा के लिए सामूहिक रूप से विचार करते हुए काका कालेलकर द्वारा दिए गए चिंतन के अनुरूप देश में शिक्षा का वातावरण बनाने के लिए प्रयास करने होंगे। इसी से 2047 तक विश्व के रंग मंच पर भारत, प्रमुख नेतृत्व कर्ता के रूप में स्थापित होगा। कार्यक्रम में पुरुस्कृत डॉ. रामचंद्रन आर., प्रोफेसर के.के. अग्रवाल और प्रोफेसर कुसुमलता केडिया ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

हार्दिक ने तोड़ा कोहली का विराट रिकॉर्ड

कारनामा करने वाले भारतीय इतिहास में इकलौते

हार्दिक पांड्या ने जो रिकॉर्ड कोहली का तोड़ा, वह बिरलों को ही नसीब होता है. अब देखते हैं कि पांड्या के इस बिरले रिकॉर्ड पर कौन भारतीय बल्लेबाज पानी फेरता है?

नई दिल्ली विराट को अगर विराट रिकॉर्ड कोहली कह दिया जाए, तो एक बार को गलत नहीं होगा! कोहली की बुक में एक से बढ़कर एक रिकॉर्ड जमा हैं, लेकिन अब रिकॉर्ड उनकी किताब से रविवार को हार्दिक पांड्या (Hardik Pandya) ने हमेशा-हमेशा के लिए मिटाकर अपना नाम लिख दिया. और कोहली इसे कभी हासिल भी नहीं कर पाएंगे क्योंकि उन्होंने इस फॉर्मेट को अलविदा कर दिया. ग्वालियर के न्यू माधवराव सिंधिया स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ पहले टी20 में 7 विकेट के बाद अगर किसी के जीत से भी ज्यादा चर्चे हैं, तो वह हार्दिक पांड्या (Hardik stole the show) हैं, जिन्होंने इस अंदाज में बैटिंग की देखने वाले बस मंत्रमुग्ध होकर रह गए. पांड्या ने सिर्फ 16 गेंदों पर 5 चौकों और 2 छक्कों से नाबाद 39 रन बनाकर दिखाया कि वह मुंबई इंडियंस के रिटेनर नंबर -1 होने जा रहे हैं. लेकिन पांड्या की इस पारी में जो उन्होंने कोहली के जिस विराट रिकॉर्ड को तोड़ा, उसके भी बहुत जोर-शोर से चर्चे हैं. अब किसी और के लिए इस रिकॉर्ड की बराबरी करना या तोड़ना किसी के भी लिए बहुत ही बड़ा चैलेंज होने जा रहा है।

यह रिकॉर्ड बहुत ही विराट है!

हार्दिक ने भारतीय पारी के 12वें ओवर की पांचवीं गेंद पर तस्कीन अहमद की गेंद पर मिडविकेट के ऊपर से छक्का जड़ा, तो बांग्लादेशी हार के गम में डूब गए, तो करोड़ों भारतीय मदहोशी में इस छक्के को देखते रहे. लेकिन छक्के की ऊंचाई के साथ ही कोहली के **विराट रिकॉर्ड** पर पानी भी फेर दिया पांड्या ने. हार्दिक पांड्या ने टी020 में पांचवीं बार छक्का जड़कर भारत को मैच जिताया. इसी के साथ ही वह छक्का जड़कर टी20 में सबसे ज्यादा बार मैच जिताने वाले भारत के शीर्ष बल्लेबाज बन गए. इससे पहले विराट यह कारनामा चार बार अंजाम दे चुके थे. कोहली ने संन्यास लिया, तो कारनामे का सफर भी इसी के साथ ही खत्म हो गया.

महिला टी20 वर्ल्ड कप

सेमीफाइनल की लड़ाई में फंसा भारत, पाकिस्तान ने बिगाड़ा समीकरण

नई दिल्ली. भारत ने महिला टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान को छह विकेट से हरा दिया. इस जीत के बावजूद भारत की मुश्किलें बनी हुई हैं. यह मुश्किल है सेमीफाइनल में पहुंचने की. भारतीय टीम पाकिस्तान को बड़े अंतर से हराकर यह मुश्किल आसान कर सकती थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ. इसका मतलब है कि भारत को अब ना सिर्फ अपने ज्यादातर मुकाबले जीतने होंगे, बल्कि यह भी उम्मीद करनी होगी कि न्यूजीलैंड या ऑस्ट्रेलिया अपने मैच हारें और बड़े अंतर से हारें ताकि रनरेट का गणित भी सुलझ सके।

महिला टी20 वर्ल्ड कप में भारत के सेमीफाइनल में पहुंचने का सारा समीकरण अब नेट रनरेट पर अटकता दिख रहा है. आइए इसे विस्तार से समझते हैं. भारत की टीम महिला टी20 वर्ल्ड कप में ग्रुप ए में है. इस ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका की टीमें भी हैं. श्रीलंका को छोड़कर सारी टीमें एक-एक मैच जीत चुकी हैं. इस तरह भारत के साथ-साथ न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के भी पॉइंट टेबल में दो-दो अंक हैं. इनमें से ग्रुप की टॉप-2 टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगी।

भारत-पाकिस्तान-श्रीलंका एक-एक मैच हारे

ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड ने अभी एक-एक मैच ही खेले हैं. भारत, पाकिस्तान और श्रीलंका की टीमें दो-दो मैच खेल चुके हैं, जिसमें उन्हें एक-एक हार और एक-एक जीत मिली है. इस तरह ऑस्ट्रेलिया या न्यूजीलैंड बेहतर स्थिति में हैं. इनमें से एक टीम 8 अंक तक पहुंच सकती है. बाकी टीमें अधिकतम 6 अंक तक पहुंच पाएंगी।

श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया से मैच बाकी

भारतीय टीम अपना पहला मैच न्यूजीलैंड से हार चुकी है और दूसरे मैच में पाकिस्तान को हरा चुकी है. ऐसे में भारत को अगर 6 अंक तक पहुंचना है तो उसे बाकी बचे अपने दोनों मैच जीतने होंगे. भारत का अब 9 अक्टूबर को श्रीलंका और 13 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया से मैच है. इनमें से एक में भी हार का मतलब होगा भारतीय टीम फिर सिर्फ किस्मत के भरोसे रह जाएगी।

इंदौर को ऑटोनॉमस बाहा इवेंट में 7 अवॉर्ड

ड्राइवर लेस एटीवी दौड़ा बने ओवर ऑल चैम्पियन, रिमोट ड्राइव सिस्टम कैटेगरी में भी बने नंबर वन

देश के ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग सेक्टर के सबसे बड़े इवेंट बाहा इंडिया में इंदौर के छात्रों ने कमाल कर दिया। पहली बार नए फॉर्मेट में हुए ऑटोनॉमस बाहा में शहर के दो इंजीनियरिंग कॉलेज की टीम ने ओवरऑल चैम्पियन के दो सहित कुल 7 अवॉर्ड अपने नाम किए है। ओवर ऑल चैम्पियन में पहला अवॉर्ड आईपीएस कॉलेज को और दूसरा अवॉर्ड एक्रोपोलिस कॉलेज को मिला है। फाइनल इवेंट में इंदौर की दो सहित देश की सिर्फ 5 टीमें ही पहुंची थी।

ऑटोनॉमस-बाहा कॉम्पिटिशन की ड्राइवर लेस ऑफ रोडिंग-कार रेसिंग का मुकाबला 29 सितंबर से 1 अक्टूबर तक पुणे में आयोजित किया गया था। जिसका फाइनल रिजल्ट कल देर रात जारी हुआ है। इंदौर के स्टूडेंट्स द्वारा बनाई गई एटीवी की खास बात यह थी की एक एटीवी के सस्पेंशन ङ्क से बुलाए गए थे, जबकि दूसरी एटीवी के पार्ट्स सर्बिया और जापान से आए थे।

ऑटोनॉमस बाहा और ्ररुङ्क क्या है

एम-बाहा, ई-बाहा और एच-बाहा के साथ ही पहली बार ऑटोनॉमस-बाहा होगी। रू-बाहा प्रतियोगिता में पेट्रोल गाड़ी, श्व-बाहा में इलेक्ट्रिक गाड़ी और ॥-बाहा में हाइड्रोजन से चलने वाली गाड़ी का इस्तेमाल होता है।पहली बार ऑटोनॉमस बाहा भी होगी जिसमें ऐसे व्हीकल का इस्तेमाल होता है जो बिना ड्राइवर के चलेगी यानी ड्राइवर लेस्र ्रञ्जङ्क (ऑल टेरैन व्हीकल)।

टीम एक्रो रेसर्स
6 माह में ही तैयार कर दी एटीवी, यूएसए से आए हैं पार्ट्स

- एक्रोपोलिस कॉलेज की टीम एक्रो रेसर्स के कोऑर्डिनेटर प्रोफेसर रवि गुजराती हैं।
- टीम को एटीवी तैयार करने के लिए 16 लाख रुपए का बजट मिला था। लेकिन टीम ने इसे 14 लाख में ही तैयार कर लिया।
- कार 6 माह में बनकर तैयार हुई है। कार में स्पेशल सस्पेंशन का इस्तेमाल किया गया है। यह सस्पेंशन यूएसए से आए हैं।
- इन सस्पेंशन का इस्तेमाल इसलिए किया गया है, क्योंकि इनका रिस्पांस टाइम सबसे तेज होता है।
- यह सस्पेंशन टायर के ट्रैवल टाइम पर एक दम सटीक रिस्पॉन्स करते हैं।
- कार की अधिकतम गति 30 किमी प्रति घंटा है।
- गाड़ी के आर्म और व्हील एसेंबलिंग कॉलेज लैब में बनाए गए हैं।
- इस ड्राइवर लेस एटीवी को मैकेनिकल, कम्प्यूटर और इलेक्ट्रिकल ब्रांच की 6 लड़कियों सहित कुल 30 स्टूडेंट ने तैयार किया हैं।

नया क्या: एक्रो रेसर्स ने एटीवी में कम्युनिकेशन के लिए नैनो जैक्शन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया है। यह टेक्नोलॉजी गाड़ी, रडार और अन्य कॉम्पोनेंट्स के साथ ही यूजर्स के बीच बेहतर और सटीक कम्युनिकेशन सिस्टम बनाता है।

इंदौर को मिले यह 7 अवार्ड

- ओवर ऑल चैम्पियन में आईपीएस कॉलेज को पहला स्थान मिला।
- ओवर ऑल चैम्पियन में एक्रोपोलिस कॉलेज को दूसरी स्थान मिला।
- आईपीएस कॉलेज को ओवर ऑल फिजिकल डायनामिक अवॉर्ड में पहला स्थान मिला।
- रिमोट ड्राइव सिस्टम में आईपीएस कॉलेज को पहला स्थान मिला।
- बिजनेस प्रेजेंटेशन में आईपीएस कॉलेज को दूसरा स्थान मिला।
- आईपीएस कॉलेज को डिजाइन प्रेजेंटेशन में दूसरा स्थान मिला।
- बेस्ट फैकल्टी एडवाइजर का द्रोणाचार्य अवॉर्ड आईपीएस कॉलेज के प्रोफेसर राहुल शर्मा को मिला।

इंदौर में डेंगू के बढ़ते केस पर कांग्रेस का विरोध

डेंगू बाबा का विशाल भोज कर दी चेतावनी; कहा- रोजाना फॉगिंग नहीं तो कांग्रेस करेगी प्रदर्शन

इंदौर में डेंगू-मलेरिया के बढ़ते मामलों को लेकर सोमवार को कांग्रेसियों ने प्रदर्शन किया। डेंगू के मच्छरों के लिए विशाल भोज का आयोजन कर पत्तलों में गंदगी और गंदा पानी परोसा। कांग्रेस द्वारा किए गए इस अनोखे प्रदर्शन में सिर्फ तीन कांग्रेसी नेता ही शामिल हुए प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया की, नगर निगम की निष्क्रियता के कारण मच्छरों से जुड़ी बीमारियां शहर भर में फैल रही हैं, और लगभग हर घर में कोई न कोई इस बीमारी से प्रभावित है।

अधिकतर इलाकों में नहीं होती फॉगिंग

प्रदर्शन करते हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया की, इंदौर में डेंगू का प्रकोप बढ़ने के बावजूद भी अधिकतर इलाकों में फॉगिंग की सुचारू व्यवस्था तक नहीं हुई है। बैकलाइन, नालियां और नालें गन्दगी से पटे पड़े हैं। शहर के अधिकांश इलाकों में गंदगी ही पड़ी रही थी। जिसकी कई बार स्थानीय लोगों ने शिकायत भी की पर कोई सुनवाई नहीं हो रही है। कांग्रेस नेताओं ने प्रदर्शन करते हुए कहा कि यदि नगर निगम द्वारा तीन दिन में फॉगिंग और दवाई का छिड़काव नहीं कराया गया तो सड़कों पर उतरकर उग्र प्रदर्शन करेंगे।

इंदौर से 40 किमी दूर एक गांव में मिले 85 मरीज

इंदौर शहर से करीब 40 किलोमीटर दूर 2000 की आबादी वाले जलोदिया पंथ गांव में डेंगू के तकरीबन 85 मामले सामने आए हैं। सभी गंभीर मरीजों को इलाज के लिए इंदौर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यहां करीब हर घर में एक मामला सामने आया है। स्वास्थ्य विभाग के संज्ञान में मामला आते ही विभाग के अधिकारी और कर्मचारी सक्रिय हो गए।

गंदे पानी के जमाव से होता है डेंगू

यह एडीज मच्छरों द्वारा फैलाई जाने वाली बीमारी है। यह स्थिति तब बनती है जब घरों या आसपास एक ही स्थान पर बहुत दिनों से पानी जमा हो। जैसे कूलर, वॉश एरिया, सिंक, गमलों में भी कई बार पानी जमा रहता है, जो डेंगू का कारक बनता है। दौलत पटेल, जिला मलेरिया अधिकारी

क्यों होता है डेंगू?

डेंगू का बुखार एडीज मच्छर के काटने के कारण होता है। इस बीमारी से बचने के लिए अभी तक कोई टीका नहीं ढूंढा जा सका है, इसलिए डॉक्टर डेंगू के मच्छर से बचाव को ही बेहतर तरीका मानते हैं। एडीज मच्छर दिन के वक्त काटता है, इसलिए घर में मच्छर बिल्कुल न होने दें। आमतौर पर गमलों, कूलरों और टायर में इकट्ठा हुए साफ पानी में यह मच्छर पनपता है, तो घर या आसपास कहीं भी पानी इकट्ठा न रहने दें।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन.22 सेक्टर एफ सांवेर रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया ,इंदौर,म.प्र. एवं जी-1,कॉस्मिक रीजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर, म.प्र. से प्रकाशित - संपादक गोपाल गावन्डे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र इंदौर रहेगा)